भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-3608

उत्तर देने की तारीख-10/08/2026

बुलंदशहर में एबीसी तथा एपीएएआर (अपार) के कार्यतंत्र से समेकित उच्च शिक्षण संस्थान

†3608. **डॉ. भोला सिंह:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बुलंदशहर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में कितने विद्यालय, महाविद्यालय तथा उच्च शिक्षण संस्थान, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी) तथा ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री (अपार) के कार्यतंत्र से समेकित किए गए हैं;
(ख) क्या सरकार ने उक्त लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी) तथा ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री (अपार) के कार्यान्वयन की समीक्षा की है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) बुलंदशहर जिले में ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री (अपार) तथा अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी) के अंतर्गत कितने विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया है;
(घ) सरकारी एवं निजी संस्थानों को उक्त ढांचे के अंतर्गत एकीकृत करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं; और
(ङ) बुलंदशहर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में विद्यार्थियों एवं शैक्षणिक संस्थानों के बीच जागरूकता उत्पन्न करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (ङ): भारत सरकार ने समग्र और बहु-विषयक शिक्षा को बढ़ावा देने, बहु-प्रवेश और निकास प्रणाली को सक्षम करने और आजीवन अधिगम के पारिस्थितिकी तंत्र की स्थापना के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 तैयार की है। एनईपी में अर्जित क्रेडिट को ध्यान में रखते हुए उच्च शिक्षा संस्थान (एचईआई) से डिग्री प्रदान करने के लिए डिजिटल रूप से शैक्षणिक क्रेडिट संग्रह करने के लिए एक एकैडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) की स्थापना की परिकल्पना की गई है।

तदनुसार, शिक्षा मंत्रालय ने प्रत्येक प्रशिक्षार्थी के लिए एक विशिष्ट डिजिटल पहचान प्रदान करने हेतु जुलाई 2021 में एकैडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) योजना शुरू की है ताकि उनकी पहचान को सुगम बनाया जा सके और उनके अधिगम की व्यवस्थित निगरानी को सक्षम किया जा सके। इस विशिष्ट आईडी को "स्वचालित स्थायी शैक्षणिक खाता रजिस्ट्री" (अपार आईडी) कहा गया है। अपार आईडी को शैक्षणिक, कौशल और अनुभवात्मक शिक्षा से अर्जित क्रेडिट संग्रह करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

आज की तारीख तक, उच्च शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र से 2900 से अधिक अवार्ड प्रदान करने वाले संस्थानों को एबीसी पोर्टल पर पंजीकृत किया गया है। इसके अलावा, उच्च शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में 4.8 करोड़ से अधिक अपार आईडी बनाई गई हैं, जिसमें 10 करोड़ से अधिक क्रेडिट रिकॉर्ड मैप किए गए हैं।

अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (एआईएसएचई) 2023-24 रिपोर्ट के अनुसार, बुलंदशहर जिले का एकमात्र विश्वविद्यालय एबीसी पोर्टल पर एक अवार्ड प्रदानकर्ता संस्थान के रूप में प्रारंभ किया गया है। अब तक, इस विश्वविद्यालय ने एबीसी पोर्टल में अपने छात्रों की 1100 से अधिक अपार आईडी के लिए 4,500 से अधिक शैक्षणिक रिकॉर्ड अपलोड किए हैं। बुलंदशहर के 4.90 लाख से अधिक स्कूली छात्रों के पास अपार आईडी है।

शिक्षा मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश सहित इस योजना की प्रगति की समीक्षा करने के लिए एचईआई और राज्यों के साथ नियमित वार्तालाप की है। इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के तहत डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन (डीआईसी) एबीसी योजना के कार्यान्वयन के लिए शिक्षा मंत्रालय का प्रौद्योगिकी भागीदार है। बाधारहित कार्यान्वयन और स्टेक होल्डरों का सहयोग सुनिश्चित करने के लिए, डीआईसी ने सभी कार्यदिवसों पर दैनिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सत्रों के माध्यम से शैक्षणिक संस्थाओं के लिए एक व्यापक समर्थन पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित किया है, प्रत्येक सत्र में लगभग 10 अवार्ड प्रदाता निकाय भाग लेते हैं। इसके अलावा, प्रश्नों के समय पर समाधान हेतु एक एकीकृत टिकट प्रणाली है; जो प्रतिदिन लगभग 200 प्रश्नों का समाधान करती है। छात्रों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए एक समर्पित हेल्पलाइन (1800-889-3511) स्थापित की गई है जो कॉल के दौरान अधिकांश मुद्दों को हल करती है।

देशभर में राज्य सरकारों, उच्च शिक्षा विभागों और अवार्ड प्रदान शैक्षणिक संस्थानों के साथ समन्वय को सुदृढ़ करने के लिए क्षेत्रीय और राज्य नोडल अधिकारियों को भी नामित किया गया है। इसके अलावा, जागरूकता बढ़ाने और हितधारकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए, डीआईसी ने विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थाओं में डिजिटल इंडिया टॉक शो का भी आयोजन किया है। इसके अतिरिक्त, एबीसी इकोप्रणाली से संबंधित श्रेष्ठ कार्यप्रथाओं को प्रसारित करने, कार्यान्वयन चुनौतियों का समाधान करने और हितधारकों के प्रश्नों को स्पष्ट करने के लिए डिजिटल मंच के माध्यम से "आस्क आवर एक्सपर्ट्स" जैसी ज्ञान-साझाकरण ऑनलाइन पहलें आयोजित की जाती हैं।

*****